



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	२-१२-२५	५	५-६

हकृवि में कर्मचारियों की उप-अधीक्षक पद पर हुई पदोन्नति, कुलपति का जताया आभार

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सात कर्मचारियों के सहायक से उप-अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सभी पदोन्नत हुए कर्मचारियों को बधाई दी। कुलसचिव डा. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप-अधीक्षक बने कर्मचारियों में सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र, राजेश, अन्जु रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल है। एचएयू प्रशासन के इस कदम की प्रत्येक गैर-शिक्षक कर्मचारी ने प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि समयानुसार पदोन्नति होने से कर्मचारियों में खुशी की लहर है व



हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पदोन्नत कर्मचारियों के साथ। • पीआरओ उनके बचे सेवाकाल में इस पदोन्नति से उन्हें लाभ होगा। वे अधिक उत्साह के साथ विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। इस दौरान ओएसडी डा. अतुल ढोंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव तारा चंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, सुनील कुमार व राजकुमार गंगवानी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2-12-24	4	5-8

एचएयू में कर्मचारियों की उप-अधीक्षक पद पर हुई पदोन्नति

कुलपति प्रो. काम्बोज ने 7 कर्मचारियों के पदोन्नत के आदेश जारी किये, कर्मचारियों ने जताया आभार



एचएयू में पदोन्नत कर्मचारी वीसी प्रो. बीआर काम्बोज के साथ।

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सात कर्मचारियों के सहायक से उप-अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए। विवि के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप-अधीक्षक बने कर्मचारियों में सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र,

राजेश, अन्जु रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल हैं। सभी पदोन्नत कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव तारा चंद, सुखबीर सिंह आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	2-12-24	3	1-2

एचएयू में सात सहायक बने उप अधीक्षक



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सात कर्मचारी उप अधीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सभी को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप अधीक्षक बने कर्मचारियों में सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र, राजेश, अन्जू रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल हैं। सभी पदोन्नत कर्मचारियों ने कुलपति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव तारा चंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह उपस्थित रहे। संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

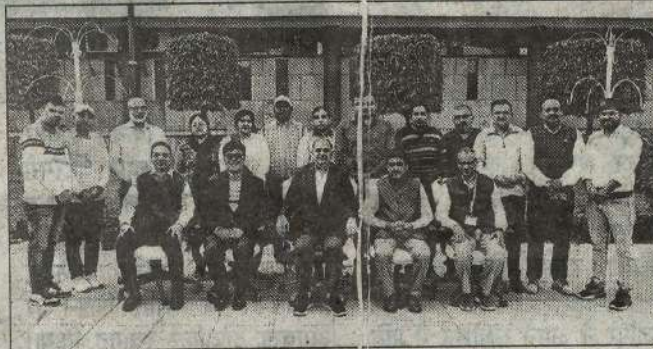
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	2-12-24	9	3-6

कर्मचारियों की उप-अधीक्षक पद पर हुई पदोन्नति

■ पदोन्नति पाने वालों ने जताया
कुलपति का आभार

हरिभूमि न्यूज | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सात कर्मचारियों के सहायक से उप-अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सभी पदोन्नत हुए कर्मचारियों को बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप-अधीक्षक बने कर्मचारियों में



हिसार। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज पदोन्नत कर्मचारियों के साथ।

सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र, राजेश, अंजू रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल हैं। एचएयू प्रशासन के इस कदम की प्रत्येक गैर-शिक्षक

कर्मचारी ने प्रशंसा की। पदोन्नत कर्मचारियों ने विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने नए पद के कर्तव्यों का

निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि समयानुसार पदोन्नति होने से कर्मचारियों में खुशी की लहर है व उनके बच्चे सेवाकाल में इस पदोन्नति से उन्हें लाभ होगा। साथ ही वे अधिक उत्साह के साथ विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। सभी पदोन्नत कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. बीआर. कम्बोज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव ताराचंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, सुनील कुमार व राजकुमार गंगवानी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-12-24	4	7-8

हकृवि में कर्मचारियों की उप-अधीक्षक पद पर हुई पदोन्नति



हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पदोन्नत कर्मचारियों के साथ।

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सात कर्मचारियों के सहायक से उप-अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सभी पदोन्नत हुए कर्मचारियों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप-अधीक्षक बने कर्मचारियों में सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र, राजेश, अन्जु रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल हैं। वहीं पदोन्नत कर्मचारियों ने विश्वास दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने नए पद के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव तारा चंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, सुनील कुमार व राजकुमार गंगवानी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	01.12.2024	--	--

एचएयू में कर्मचारियों की उप- अधीक्षक पद पर हुई पदोन्नति



सिटी प्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सात कर्मचारियों के सहायक से उप-अधीक्षक के पद पर पदोन्नति के आदेश जारी किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सभी पदोन्नत हुए कर्मचारियों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने बताया कि पदोन्नत सूची में सहायक से उप-अधीक्षक बने कर्मचारियों में सुरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र, राजेश, अन्जु रानी, मनोज कुमार, वीना रानी तथा संजय शामिल हैं। एचएयू प्रशासन के इस कदम की प्रत्येक गैर-शिक्षक कर्मचारी ने प्रशंसा की। पदोन्नत कर्मचारियों ने विश्वास

दिलाया कि वे अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने नए पद के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि समयानुसार पदोन्नति होने से कर्मचारियों में खुशी की लहर है व उनके बच्चे सेवाकाल में इस पदोन्नति से उन्हें लाभ होगा। साथ ही वे अधिक उत्साह के साथ विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। सभी पदोन्नत कर्मचारियों ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल हींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, सहायक कुलसचिव तारा चंद, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, सुनील कुमार व राजकुमार गंगवानी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	२-१२-२५	३	१-५

प्रशिक्षण • हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

फसल अवशेषों का मशरूम उत्पादन में प्रयोग पर्यावरण के लिए अच्छा विकल्प है : गोदारा

भास्करन्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये।

पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थीं। जबकि दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया।



हकृवि में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना स्वच्छ पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक

व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए।

इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कंबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेण्ट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश कुमार चुघ ने ढींगरि, मिल्लिक और कीड़ा जड़ी/कोडीसैप मिलिटैरिस मशरूम को उगाने की विधि के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उमर उजाला	2-12-24	2	5-8

मशरूम से कम लागत में अधिक मुनाफा ले सकते हैं किसान मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण आयोजित किए।

डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है। मशरूम से कम लागत में किसान अधिक मुनाफा ले सकते हैं।

पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, हिसार के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर



एचएयू में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते वैज्ञानिक। संवाद

कांबोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई।

मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि

अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण में

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन मशरूम की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला।

सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कांबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेण्ट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश कुमार चुष ने ढिंगरी, मिल्की और कीड़ाजड़ी मशरूम को उगाने की विधि के बारे में बताया। डॉ. अमोधवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। प्रशिक्षणार्थियों का विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भ्रमण करवाया और जानकारियां देकर उनका कौशल विकास किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2.12.24	4	5-6

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। पहले दिन प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल रहीं।

दूसरे दिन प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के संयोजक डा. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक

व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डा. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केंसिंग तैयार करने की विधि आदि विषयों पर प्रकाश डाला। सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डा. विकास काम्बोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेण्ट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डा. राकेश कुमार चुघ ने ढींगरि, मिल्लिक और क्रीड़ा जड़ी/कोडीसैप मिलिटेरिस मशरूम को उगाने की विधि के बारे में बताया और डा. अमोघवर्षा ने शिटार्के मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डा. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है।



हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर जानकारी देते वैज्ञानिक। • पीआरओ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2-12-24	3	1-2

मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न



प्रशिक्षार्थियों को जानकारी देते वैज्ञानिक।

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण आयोजित किए। पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थीं जबकि दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालयके विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना स्वच्छ पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए।

इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कंबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेंट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अज्ञात समाचार	2-12-24	5	3-5

हकृषि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हिसार, 1 दिसम्बर (विरेन्द्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण आयोजित किए। पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थी जबकि दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय, हिसार के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना स्वच्छ पर्यावरण के लिए



प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते हुए वैज्ञानिक।

एक अच्छा विकल्प है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। सज्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कंबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेण्ट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश कुमार चुध ने ढींगरि,

मिल्क और कीड़ा जड़ी/कोडीसैप मिलिटेरिस मशरूम को आने कि विधि के बारे में बताया तथा डॉ. अमोघवर्षा ने शिटाके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है। प्रशिक्षणार्थियों का विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलोजी प्रयोगशाला का भ्रमण करवाया और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण जानकारियां देकर उनका कौशल विकास किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	2-12-24	9	7-8



हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी देते एचएयू के वैज्ञानिक। फोटो: हरिभूमि

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण आयोजित किए। पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थीं जबकि दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय, हिसार के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना

स्वच्छ पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए। इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छोटी तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कंबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेंट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश कुमार चुघ ने ढांगरी, मिल्क और कीड़ा जड़ी/कोडीसेप मिलिटेरिस मशरूम को उगाने की विधि के बारे में बताया तथा डॉ. अमोघवर्षा ने शिटके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो भाव मिल जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक दृष्टि	2.12.24	7	1

एचएयू में मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिसार, 1 दिसंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान ने मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थी, जबकि दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, हिसार के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना स्वच्छ पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	01.12.2024	--	--

हकृति में मशरूम उत्पादन की उन्नत तकनीक पर दो दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम समाप्त

कृषि अवशेषों का प्रयोग करके भी किया जा सकता है मशरूम का उत्पादन : डॉ. अशोक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर दो प्रशिक्षण आयोजित किए। पहले प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया जिनमें से कई महिलाएं भी शामिल थीं जबकि दूसरे प्रशिक्षण में गुरु गोरख नाथ जी राजकीय महाविद्यालय, हिसार के विज्ञान संकाय के छात्रों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम उत्पादन तकनीक के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई। मशरूम के उत्पादन के लिए कृषि अवशेषों को ही इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए मशरूम उत्पादन के लिए इनका इस्तेमाल होना स्वच्छ पर्यावरण के



लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता ने बताया कि मशरूम उत्पादन को शुरू में एक व्यवसाय के रूप में छोटे स्तर पर शुरू किया जाना चाहिए।

इस प्रशिक्षण में पौध रोग विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. जगदीप सिंह ने सफेद बटन खुम्ब की छेटी

तथा लंबी विधि से खाद तैयार करने, केसिंग तैयार करने की विधि इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला। सब्जी विभाग के सह वैज्ञानिक डॉ. विकास कंबोज ने वातानुकूलित कक्ष में मशरूम उत्पादन और स्पेण्ट मशरूम खाद की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश कुमार चुप ने

ढोंगरि, मिल्क और कौड़ा जड़ी/कोडीसीप मिलिटोरिस मशरूम को उगाने की विधि के बारे में बताया तथा डॉ. अमोघवर्मा ने शिटके मशरूम की उत्पादन तकनीक पर व्याख्यान दिया। डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि सफेद बटन खुम्ब उगाने पर लगभग 50 रुपये प्रति किलो

लागत आती है और बाजार में लगभग 100 रुपये प्रति किलो इसका भाव मिल जाता है।

प्रशिक्षणार्थियों का विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भ्रमण करवाया और व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण जानकारियां देकर उनका कौशल विकास किया।